खेल-खेल में व्याकरण

(शिक्षक पुस्तिका)

हिंदी

कक्षा -7

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः
राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्
वरुण मार्ग, डिफैंस कालोनी, नई दिल्ली 110024

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः
राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्
वरुण मार्ग, डिफैंस कालोनी, नई दिल्ली 110024

खेल–खेल में व्याकरण

(शिक्षक पुस्तिका)

हिंदी

कक्षा –7

2021 - 22

SCERT

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्
वरुण मार्ग, डिफैंस कालोनी, नई दिल्ली 110024

खेल–खेल में व्याकरण

ISBN : 978-93-93667-19-9

© राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली

खेल–खेल में व्याकरण (शिक्षक पुस्तिका) हिंदी कक्षा –7

कोपिराइट राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

दिशाबोध

श्री रजनीश कुमार सिंह
निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी.,नई दिल्ली

डॉ. नाहरसिंह
संयुक्त निदेशक (अकादमिक), एस.सी.ई.आर.टी.,नई दिल्ली

परियोजना समन्वयक

डॉ. नविन्द्रा बाई
असिस्टेंट प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली

विशेषज्ञ व पुनरीक्षण मंडल

डॉ. नीलकंठ
असिस्टेंट प्रोफेसर, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली

डॉ शिवेंद्र कुमार झा
पी.जी.टी. हिंदी, सी. ए. यू. शिक्षा निदेशालय, दिल्ली

डॉ. शिक्षा
पी.जी.टी. हिंदी, क्वीन मैरी स्कूल, मॉडल टाउन, दिल्ली

लेखक मंडल

डॉ. नविन्द्रा बाई– असिस्टेंट प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली
डॉ. नीलकंठ– असिस्टेंट प्रोफेसर, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली
डॉ. कुमुद भारद्वाज– असिस्टेंट प्रोफेसर, मंडलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, दिलशाद गार्डन, दिल्ली
निशा जैन– एम.टी./टी.जी.टी. हिंदी, झिलमिल कॉलोनी, दिल्ली
सुमन महेश्वरी– टी.जी.टी. हिंदी, बाल भारती पब्लिक स्कूल, दिल्ली

मुद्रक : बी.एम. ऑफसेट प्रिंटर्स, एच–37, सेक्टर–63ए नोएडा उत्तर प्रदेश – 201301

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

State Council of Educational Research and Training
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Varun Marg, Defence Colony, New Delhi-110024
Tel.: +91-11-24331356, Fax : +91-11-24332426
E-mail : dir12scert@gmail.com

Rajanish Singh
Director

Date : .....

D.O. No. : .....

संदेश

शिक्षा का उद्देश्य मानव का समग्र विकास करना है। शिक्षा के द्वारा मानव में निहित क्षमताओं और कौशलों जैसे तार्किक शक्ति, रचनात्मकता, विश्लेषणात्मक सोच व समस्या-समाधान आदि का पूर्णतम विकास करना शिक्षा का उद्देश्य का मुख्य उद्देश्य है । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी इन कौशलों व क्षमताओं को विकसित करने के लिए गतिविधि आधारित शिक्षण प्रक्रिया पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रस्तुत शिक्षक पुस्तिका **'खेल-खेल में व्याकरण'** हिंदी व्याकरण सम्प्रत्यों से सम्बंधित गतिविधियों का संग्रह है। इस पुस्तक में यह प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है कि कक्षा- कक्ष में व्याकरण सम्प्रत्यों को कैसे रुचिकर व सहज बनाकर पढ़ाया जाए। **'खेल-खेल में व्याकरण'** शिक्षक पुस्तिका में व्याकरण सम्प्रत्यों के लिए दी गयी गतिविधियां सुझावात्मक हैं जो रुचिकर, रचनात्मक, सहयोगात्मक और खोजपूर्ण है। मुझे **'खेल-खेल में व्याकरण'** गतिविधि आधारित इस पुस्तक को प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। मुझे पूरा विश्वाश है कि यह पुस्तक शिक्षकों के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगी। मैं ऐसी आशा करते हुए सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं देता हूँ।

श्री रजनीश सिंह

निदेशक

राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्,

नई दिल्ली

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

Dr. Nahar Singh
Joint Director (Academic)

State Council of Educational Research and Training
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Tel. : +91-11-24336818, 24331355, Fax : +91-11-24332426
Tel.: +91-11-24331355, Fax : +91-11-24332426
E-mail : jdscertdelhi@gmail.com

Date : .....

D.O. No. : .....

प्राक्कथन

भाषा अभिव्यक्ति का साधन और ज्ञान ग्रहण करने का माध्यम है। भाषा के विकास का मानव के विकास से सीधा संबंध है । यदि भाषा को प्रकृति की देन माना जाए तो यह प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ रचना है। भाषा के कारण ही मनुष्य उत्तम प्राणी बन सका है। भाषा का ज्ञान बालक के लिए वह सीढी है जिसकी सहायता से वह अपने विकास की छोटी–बड़ी मंजिलों की ऊंचाइयों तक पहुँचता है।

बालक अनुकरण द्वारा बोलचाल की भाषा तो सीख लेता है जिसके लिए उसे व्याकरण सीखने की कोई आवश्यकता नहीं होती लेकिन कुछ समय उपरांत विचारों की शुद्ध अभिव्यक्ति के लिए उसे भाषा के सर्वमान्य रूप का प्रयोग करना होता है। बच्चों को भाषा के सर्वमान्य रूप का ज्ञान व्याकरण की सहायता से ही होता है। व्याकरण भाषा के सर्वमान्य रूप का संरक्षण करता है। भाषा की शुद्धता बनाए रखने तथा प्रभावशाली रचना के लिए व्याकरण शिक्षण आवश्यक है। व्याकरण को नियमों से रटने की बजाय व्यावहारिक प्रयोग के संदर्भ में सिखाया जाए। इसलिये अध्यापक से यह अपेक्षा की जाती है कि वह व्याकरण शिक्षण को रुचिकर बनाए। व्याकरण शिक्षण को रुचिकर बनाने के लिए अध्यापक द्वारा व्याकरण संप्रत्यों का ज्ञान गतिविधियों के माध्यम से करवाना चाहिए। गतिविधि–आधारित शिक्षण से विद्यार्थियों की सीखने के प्रति तत्परता में वृद्धि होती है और सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित होती है। इसके साथ ही गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थी में तार्किक व समस्या समाधान की प्रवृति को बढ़ावा मिलता है। गतिविधि–आधारित शिक्षा से रटंतपद्धति की अपेक्षा स्वयं कर के सीखने के अवसर भी मिलते है। यह भी स्पष्ट है कि इससे कक्षा–कक्ष अधिक रुचि पूर्ण बनता है और विद्यार्थी– केंद्रित शिक्षा क्रियान्वित होने की संभावनाएं अधिक हो जाती हैं। इसके साथ ही विद्यार्थी में एकाग्रता बढ़ती है और अवधरणाओं का ज्ञान अधिक समय तक बना रहता है। विद्यार्थी अपने व्यावहारिक जीवन में भाषिक शुद्धता एवं भाषिक क्षमता का बेहतर प्रयोग करने में भी सक्षम होते हैं।

भाषा का शुद्ध प्रयोग करना भी एक कला है। इस कला में निपुणता के लिए व्याकरण का केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं अपितु उसके नियमों का व्यावहारिक उपयोग भी अनिवार्य है।इस आवश्यकता को मद्देनजर रखते हुए इस पुस्तिका में हिंदी व्याकरण के संप्रत्यों के लिए गतिविधियां सुझाई गई हैं ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी स्पष्ट किया गया है कि शिक्षण और सीखना अधिक संवादात्मक तरीके से संचालित हो। इसके लिए अधिगम आलोचनात्मक–चिंतन, खोज–आधारित, चर्चा–आधारित और विश्लेषण–आधारित होने पर बल दिया गया है। इसके साथ ही कक्षाओं में नियमित रूप से रुचिकर, रचनात्मक, सहयोगात्मक और खोजपूर्ण गतिविधियां आयोजित करवाई जाएं। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस पुस्तिका में व्याकरणिक सम्प्रत्यों के लिए गतिविधियां तैयार की गई हैं ताकि व्याकरण को अधिक रुचिकर और व्यावहारिक बनाया जा सके।

प्रस्तुत शिक्षक पुस्तिका **'खेल–खेल में व्याकरण'** व्याकरण सम्प्रत्यों को रुचिकर बनाने की दिशा में एक वैकल्पिक एवं नवीन प्रयास है। पुस्तिका में उल्लेखित गतिविधियाँ सुझावात्मक हैं। अध्यापक विद्यार्थियों के स्तर, परिवेश और वातावरण को देखते हुए अन्य गतिविधियों के माध्यम से भी सम्बन्धित व्याकरणिक बिन्दुओं का शिक्षण करने को स्वतंत्र है।

पुस्तक के बारे में दिए गए सुझाव एवं समालोचनाओं का सहर्ष स्वागत किया जाएगा। इस संदर्भ में शिक्षाविद और पाठकों के सार्थक सुझावों का सदैव स्वागत है।

डॉ. नाहर सिंह
संयुक्त निदेशक (अकादमिक)
राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

आभार

शिक्षक पुस्तिका 'खेल–खेल में व्याकरण' हिंदी अध्यापकों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सातवीं कक्षा की पुस्तक वसंत भाग–2 के पाठों के अंत में दिए गए हिंदी व्याकरण के सम्प्रत्यों के अनुसार तैयार की गई है। यह सामग्री अध्यापक के लिए एक सहायक सामग्री है जिसमें कक्षा सातवीं के स्तर के विद्यार्थियों के लिए व्याकरण के विभिन्न सम्प्रत्यों के लिए गतिविधियाँ निर्मित की गईं हैं। इसके साथ ही व्याकरण सम्प्रत्यों का गतिविधियों के साथ सतत समायोजन करने का भी प्रयास किया गया है। इन गतिविधियों को अध्यापक कक्षा–कक्ष में किस तरह संपादन करें, यह पुस्तिका में बताया गया है। गतिविधियों की सहायता से कक्षा–कक्ष में शिक्षण प्रक्रिया अधिक रुचिकर बन पाएगी व विद्यार्थियों के अधिगम स्तर में भी बेहतर सुधार की संभावना बन सकेगी।

पुस्तिका में उल्लेखित गतिविधियों की प्रक्रिया सुझावात्मक है अध्यापक इससे अलग गतिविधियां भी कक्षा–कक्ष में संपादित करवा सकते हैं।

पुस्तिका की भाषा एवं विषय वस्तु को सरल व स्पष्ट बनाने का पूरा प्रयास किया गया है जिसे आप सभी साथी स्वयं अनुभव करेंगे।

संस्थान प्रस्तुत गतिविधि आधारित पुस्तिका से जुड़े हुए सभी विद्वानों का आभार व्यक्त करता है। सर्वप्रथम श्रीमान रजनीश सिंह, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण, परिषद् नई दिल्ली का इस कार्य में मार्गदर्शन के लिए मैं हृदय से आभारी हूँ। डॉ. नाहर सिंह, संयुक्त निदेशक (अकादमिक), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली के प्रति मैं आभारी हूँ जिन्होंने इस कार्य में मार्गदर्शन करने के साथ–साथ अपना पूर्ण सहयोग दिया। मैं डॉ. पूनम गौड प्राचार्या, मंडलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षिण संस्थान मोती बाग, दिल्ली की भी आभारी हूँ जिन्होंने समय–समय पर उचित मार्गदर्शन व सहयोग दिया।

मैं उन समस्त शिक्षाविदों का आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने इस पुस्तिका की सामग्री निर्माण में अपना विशेष योगदान दिया । पुनरीक्षण करने वाले विशेषज्ञ भी विशेष धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने इस पुस्तिका की उपयोगिता को बारीकी से देखा है।

मुकेश यादव, प्रकाशन अधिकारी की मैं हृदय से आभारी हूं जिन्होंने इस प्रकाशन की गुणवत्ता उभारने और समय पर प्रकाशित करने में पूर्ण योगदान दिया।

डॉ. नविन्द्रा बाई
असिस्टेंट प्रोफेसर
राज्य शैक्षिणक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

विषय–सूची

क्र.सं.	प्रकरण	पृष्ठ संख्या
1	शब्द अंत्याक्षरी	01
2	वचन	02
3	विलोम शब्द	04
4	बहुभाषिकता	06
5	संज्ञा	07
6	सर्वनाम	09
7	विशेषण	12
8	क्रिया–विशेषण	14
9	पर्यायवाची शब्द	17
10	वाक्यांशों के लिए एक शब्द	19
11	वर्तनी	21
12	संधि	23
13	समास	24
14	उपसर्ग व प्रत्यय	26
15	वाक्य– संरचना	28
16	विराम–चिह्न	30
17	मुहावरे	32
18	खेल– शब्दावली	33
19	शब्द– खेल	34
20	शब्दकोश	36
सारांश		37
उत्तरकुंजी		38

प्रकरण–1 शब्द–अंत्याक्षरी

सीखने के प्रतिफल

1 अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।

कौशल – वाचन कौशल, सम्प्रेषण कौशल व लेखन कौशल।

गतिविधि–1 (शब्दों की कड़ी)

आप सब अंत्याक्षरी के खेल से परिचित हैं। कोई भी गाना जहाँ ख़त्म होता है उसके अंतिम शब्द के अंतिम अक्षर से अगले भागीदार को गाना गाना होता है। आइए! हम शब्दों के साथ भी ऐसा ही खेल खेलते हैं। आपमें से कोई एक शब्द जैसे–कलम बोलेगा। अब अगले विद्यार्थी को 'म' अक्षर से नया शब्द बनाना होगा। जैसे–महल। इससे आगे का शब्द 'लड़की' हो सकता है या लकड़ी। पूरी कक्षा को 5 समूहों में बाँट दें और अपने–अपने आराध्य का नाम लेकर खेल प्रारम्भ करें।

उदाहरण :– लड़की – कलम – महल – लहर – रथ

थरमश – शलगम – मछली – लकड़ी

इस प्रकार शब्दों की एक कड़ी / माला बन सकती है।

आकलन– रचनात्मक आकलन हेतु उपयोग किया जा सकता है

□□□

प्रकरण–2 वचन

सीखने के प्रतिफल

1 विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्यों की संरचनाओं में वचन एवम् अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसे– काल, क्रिया–विशेषण, शब्द–युग्म आदि का बेहतर प्रयोग करते हैं।

2 विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।

3 किसी चित्र या दृश्य को देखने के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक या सांकेतिक भाषा में व्यक्त करते हैं।

कौशल– लेखन कौशल, सम्प्रेषण कौशल व पठन कौशल।

गतिविधि – 1 (एक –अनेक)

नीचे दिए गए चित्रों को देखकर उनके एकवचन और बहुवचन को इंगित करने वाले शब्द लिखें। इस गतिविधि को शिक्षक/शिक्षिका हरितपट्ट पर चित्र बनाकर संपन्न करें।

गेंद (एकवचन)

गेंदें (बहुवचन)

मकड़ी (एक वचन)

मकड़ियाँ (बहुवचन)

चश्मा (एक वचन)

चश्में (बहुवचन)

गतिविधि – 2 (एक–अनेक मेरे पास)

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में उपलब्ध संसाधनों को ध्यान में रखते हुए वचन बदलने की गतिविधियाँ करेंगे।
उदाहरण के लिए पंखा, पुस्तक, मेंज, पेंसिल, कुर्सी आदि जैसे शब्दों का उपयोग किया जा सकता है।

विद्यार्थी या शिक्षक एक पुस्तक उठाकर उसका वाक्य में एक वचन के रूप में उपयोग कर सकते हैं। विद्यार्थियों का समूह बहुत सारी पुस्तकों को एक साथ उठाकर उसका वाक्य में बहुवचन में उपयोग कर सकते हैं। जैसे– यह मेरी पुस्तक है। बहुत सारी पुस्तकों को हाथ में लेकर कोई विद्यार्थी या समूह कह सकता है –

इन पुस्तकों में कितना ज्ञान है।

ये पुस्तकें हमसे बातें करती हैं।

गतिविधि– 3 (अदल –बदल)

इतना सुनते ही डॉक्टर दीदी ने दिव्या की **उँगली** से रक्त की कुछ **बूँदे** एक छोटी सी **शीशा** में डाल दीं और स्लाइड पर लगा दीं। दीदी के इशारे से वह पास रखी एक **कुर्सी** पर बैठ गई। फिर दीदी ने दिव्या को एनीमिया की जानकारी दी ।

ऊपर दिए गए अनुच्छेद में रेखांकित शब्दों के वचन बदलिए।

1. उँगली .....
2. बूँदे .....
3. शीशी .....
4. कुर्सी .....

आकलन– रचनात्मक व योगात्मक आकलन में उपयोग किया जा सकता है।

❑❑❑

प्रकरण–3 विलोम शब्द

सीखने के प्रतिफल

1 विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम–चिह्नों एवम् अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसे– काल, क्रिया–विशेषण, शब्द–युग्म आदि का प्रयोग करते हैं।

2 पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं व परिचर्चा करते हैं।

कौशल– लेखन कौशल, वाचन कौशल, पठन कौशल व सम्प्रेषण कौशल।

गतिविधि–1 (उलटा –पुलटा)

गतिविधि के चरण निम्नलिखित हैं–

चरण–1 शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों को एक–एक पर्ची देगा/देगी।

(उन सभी पर्चियों पर एक शब्द लिखा हुआ है जो किसी दूसरी पर्ची पर लिखे शब्द का विलोम है)

चरण–2 शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों से कहेंगा/कहेंगी कि वे अपने हाथ में पर्ची पर लिखे शब्द को पढ़े व उसके विलोम को ढूँढने का प्रयास करे। जिस विद्यार्थी के पास उसके विलोम की पर्ची होगी उन्हें कक्षा में उसी के साथ बैठना होगा।

जैसे– एक विद्यार्थी के पास 'दिन' की पर्ची थी। किसी अन्य विद्यार्थी के पास 'रात' की पर्ची थी। वे दोनों विद्यार्थी एक साथ बैठ जाएँगे।

इसी प्रकार से बाकी विद्यार्थी अपने अपने विलोम शब्द की पर्ची वाले विद्यार्थी के साथ बैठेंगे।

गतिविधि–2 (एक दूसरे से जाने)

गतिविधि के चरण निम्नलिखित हैं–

चरण–1 शिक्षक/शिक्षिका कक्षा को 2 समूहों में विभाजित करेगा/करेगी। एक समूह को शब्द की पर्चियाँ मिलेंगी व दूसरे समूह को उन शब्दों के विलोम की पर्चियाँ मिलेंगी।

चरण–2 हरितपट्ट पर दोनों समूहों का नाम लिखेगा/लिखेगी व बीच में रेखा खींच देगा/देगी।

जैसे–

समूह क	समूह ख

चरण–3 शिक्षक/शिक्षिका समूह 'क' से एक शब्द बोलने को कहेगा/कहेगी, समूह 'ख' समूह 'क' द्वारा बोले गये शब्द का विलोम शब्द बताएगा। शिक्षक/शिक्षिका साथ–साथ हरितपट्ट पर शब्दों के सामने उनका विलोम शब्द लिखता जाएगा/जाएगी या विद्यार्थियों को भी लिखने के लिए कह सकता/सकती है।

गतिविधि–3 (वाक्यों में विलोम शब्दों को खोजना)

शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों को कुछ वाक्य लिखकर समूहों में दे देगा/देगी। इसके पश्चात् विद्यार्थियों से वाक्यों में विलोम शब्द ढूँढने को कहेगा/कहेगी। सभी समूहों में से विद्यार्थी शब्दों को ढूँढकर कक्षा में बताएँगे।

जैसे –

काले रंग की दीवार पर सफेद खरगोश का चित्र साफ दिखाई दे रहा था।

ज्ञान मनुष्य के जीवन में प्रकाश तथा अज्ञान जीवन में अंधेरा लाता है।

गतिविधि–4 (आस–पास में उलटा–पुलटा)

शिक्षक/शिक्षिका द्वारा बच्चों को उनकी कक्षा में अथवा उनके आस–पास मौजूद वस्तुओं में से 'एक दूसरे के विपरीत शब्द' ढूँढने का अवसर दिया जाएगा। सभी विद्यार्थी अपने आस–पास मौजूद वस्तुओं का अवलोकन करेंगे जिससे वे विपरीत शब्दों को अपनी असल जिन्दगी में खोज पाएँगे।

जैसे–

काला रंग – सफेद रंग

छोटा – बड़ा

मोटा – पतला

ऊपर–नीचे

आकलन– रचनात्मक आकलन में उपयोग किया जा सकता है।

योगात्मक आकलन में भी उपयोग किया जा सकता है।

□□□

प्रकरण–4 बहुभाषिकता

सीखने के प्रतिफल

1 विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम–चिह्नों एवम् अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसे– काल, क्रिया–विशेषण, शब्द–युग्म आदि का प्रयोग बहुभाषिकता के साथ करते हैं।

2 विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।

कौशल– पठन कौशल, वाचन कौशल, व लेखन कौशल।

गतिविधि –1 (हम सभी की भाषा)

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। इसके समान अर्थ देने वाले शब्द अपनी–अपनी मातृभाषा, अंग्रेजी एवं हिंदी में लिखें। एक ही अर्थ देने वाले मातृभाषा के शब्दों को हरितपट्ट पर अंकित करें एवं शिक्षकों/शिक्षिकाओं व विद्यार्थियों के सहयोग से कक्षा में चर्चा करें।

गतिविधि–

शब्द	मातृभाषा (शब्द)	अंग्रेज़ी (शब्द)	हिंदी (शब्द)
चोंच			
फुनगी			
नीड़			
चिउड़ा			
धूप			
प्रातः			
नभ			
घोंसला			
बच्चा			
दामाद			
शक्ल			
माँ			
दादी			

आकलन– रचनात्मक आकलन हेतु इसका उपयोग किया जा सकता है।

प्रकरण–5 संज्ञा

सीखने के प्रतिफल

1 विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय संज्ञा की पहचान एवं उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओं एवम् अन्य व्याकरणिक इकाइयों,जैसे– काल, क्रिया–विशेषण, शब्द–युग्म आदि का प्रयोग करते हैं।

2 किसी चित्र या दृश्य को देखने के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक या सांकेतिक भाषा में व्यक्त करते हैं।

3 भाषाई क्रम में संज्ञा की पहचान कर यथोचित प्रयोग करते हैं।

कौशल– लेखन कौशल, वाचन कौशल, सम्प्रेषण कौशल व पठन कौशल।

किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। संज्ञा के तीन भेद हैं–

– व्यक्तिवाचक संज्ञा
– जातिवाचक संज्ञा
– भाववाचक संज्ञा

गतिविधि–1 (विशेष नाम)

– शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में सभी विद्यार्थियों के नाम, उनके मित्रों या रिश्तेदारों के नाम पूछेंगे तथा इन्हें हरितपट्ट पर लिखते जाएँगे।
– शिक्षक/शिक्षिका कक्षा–कक्ष का अवलोकन करते हुए जितनी भी वस्तुएँ दिखाई दे रही हैं, वह पूछेंगे तथा साथ साथ लिखते जाएँगे।
– 'आप कहाँ–कहाँ घूमने गए हैं', शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों से पूछेंगे व हरितपट्ट पर लिखते जाएँगे।

फिर शिक्षक/शिक्षिका इन शब्दों को पढ़ते हुए बताएँगे कि व्यक्ति, वस्तु, स्थान आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं। साथ ही दिए गए उदाहरणों के माध्यम से उन्हें व्यक्तिवाचक व जातिवाचक में अंतर भी बताएँगे।

गतिविधि–2 (भावों की समझ)

– गन्ना, आम, गुड़ की मिठास में क्या अंतर है? आपको सभी चीजों की मिठास कैसी महसूस हुई?

अब शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों को बताएँगे कि–

जिस प्रकार से सभी की मिठास का अलग–अलग ठीक से वर्णन नहीं किया जा सकता। उसी प्रकार भाव को भी बताया नहीं जा सकता। उसे केवल महसूस किया जा सकता है।

बचपन, बुढ़ापा, खुशी, गरीबी, अमीरी आदि शब्दों को भी शिक्षक इसी प्रकार से पूछेंगे।

गतिविधि – 3 (भेदों की पहचान)

शिक्षक/शिक्षिका हरितपट्ट पर तीन कॉलम बनाएगा/बनाएगी–

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा

शिक्षक/शिक्षिका कुछ पर्चियाँ जिसमें इन तीनों भेदों के भिन्न–भिन्न उदाहरण दिए गए हों, लेकर कक्षा में जाएगा/जाएगी। अब एक–एक विद्यार्थी आगे आए और एक पर्ची उठाते हुए हरितपट्ट पर उनके सही भेद के कॉलम में वह शब्द लिखे। बाद में शिक्षक/शिक्षिका प्रत्येक कॉलम के शब्दों को कक्षा में पढ़कर सुनाएगा/सुनाएगी।

गतिविधि –4 (समझ का प्रयोग)

यह गतिविधि एक खेल की तरह है। जिसमें शिक्षक/शिक्षिका संज्ञा का कोई एक भेद बताएगा/बताएगी और विद्यार्थियों को एक मिनट में उस भेद के अधिक से अधिक उदाहरण लिखने को कहेगा/कहेगी। समय समाप्त होने पर जिस विद्यार्थी के उदाहरण सबसे अधिक होंगे उससे वे उदाहरण सुने जा सकते हैं।

इसी प्रकार से अन्य भेदों के भी उदाहरण एक–एक मिनट का समय दे कर लिखवाए जा सकते हैं।

आकलन– योगात्मक व रचनात्मक आकलन के लिए उपयोग किया जा सकता है।

□□□

प्रकरण–6 सर्वनाम

सीखने के प्रतिफल

1 विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों,वाक्य संरचनाओं, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम–चिह्नों एवम् अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसे– सर्वनाम, क्रिया–विशेषण, शब्द–युग्म आदि का प्रयोग करते हैं।

2 अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।

3 किसी पाठ्य–वस्तु की गहनता से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं।

कौशल– पठन कौशल, श्रवण कौशल, सम्प्रेषण कौशल व लेखन कौशल।

संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को 'सर्वनाम' कहते हैं। जैसे– मैं, तुम, हम, वे, आप आदि शब्द सर्वनाम हैं।

सर्वनाम के छह भेद बताए गए हैं

1. पुरुषवाचक सर्वनाम
2. निश्चयवाचक सर्वनाम
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
4. संबंधवाचक सर्वनाम
5. प्रश्नवाचक सर्वनाम
6. निजवाचक सर्वनाम

युगल गतिविधि–

(यह गतिविधि सर्वनाम पढ़ाने के बाद कक्षा में करवाई जाएगी।)

गतिविधि–1 (वाक्यों से समझे)

सर्वनाम का प्रयोग करते हुए विद्यार्थी सहपाठी के बारे में पाँच वाक्य बनाएँगे ।

अध्यापक बच्चों को 5 मिनट का समय देंगे।

विद्यार्थी पहले वाक्य में संज्ञा अर्थात् विद्यार्थी के नाम का प्रयोग करेंगे, बाद में सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करेंगे।

उदाहरण–

सोहन मेरा मित्र है। वह कल अपने घर जा रहा है। वह उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। वह बहुत मेहनती और समय पर साथ देने वाला मित्र है। उसे काला रंग बहुत पसंद है। वह सुबह सैर करने जाता है।

अब विद्यार्थी वाक्यों में प्रयोग हुए सर्वनाम शब्दों की सूची बनाएँगे एवं सर्वनाम का भेद भी बताएँगे।

गतिविधि– 2 (सर्वनाम की आत्मकथा)

सर्वनाम की 'कहानी उसकी–जुबानी' कहानी लिखिए।

शिक्षक/शिक्षिका सर्वनाम पढ़ाने के बाद बच्चों को 5 से 7 के समूह में विभाजित करेंगे तथा विभिन्न भेदों के साथ कहानी बनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

उदाहरण – मैं सर्वनाम हूँ,मैं संज्ञा के स्थान पर आता हूँ। मेरे बहुत से नाम हैं। मैं सबका नाम हूँ। मैं आप भी हूँ, तुम भी। वे भी हूँ और उन्होंने भी हूँ। इतने सारे नामों के कारण मुझे भेदों में विभाजित किया गया है। जब संज्ञा नहीं होती तब मैं साथ निभाता हूँ।.....

शिक्षक/शिक्षिका कहानी बनाते समय बच्चों का सहयोग करेंगे।

गतिविधि– 3 (आओ इन्हें पहचाने)

विद्यार्थी निम्नलिखित कविता में से संज्ञा, सर्वनाम एवं विशेषण शब्द छाँटेंगे और उसका भेद भी लिखेंगे–

बार–बार आती है मुझको मधुर याद बचपन तेरी।
गया ले गया तू जीवन की सबसे मस्त ख़ुशी मेरी।।

चिंता रहित खेलना–खाना वह फिरना निर्भय स्वच्छंद।
कैसे भूला जा सकता है बचपन का अतुलित आनंद।।

रोना और मचल जाना भी क्या आनंद दिलाते थे।
बड़े–बड़े मोती से आँसू जयमाला पहनाते थे।।

मैं रोई माँ काम छोड़कर आई, मुझको उठा लिया।
झाड़–पोंछ कर चूम–चूम कर गीले गालों को सुखा दिया।।

मैं बचपन को बुला रही थी बोल उठी बिटिया मेरी।
नंदन वन–सी फूल उठी वह छोटी–सी कुटिया मेरी।।

'माँ ओ!' कहकर बुला रही थी मिट्टी खाकर आई थी।
कुछ मुँह में कुछ लिए हाथ में,मुझे खिलाने आई थी

मैंने पूछा, 'यह क्या लाई?' बोल उठी ,'माँ खाओ!'
हुआ प्रफुल्लित हृदय खुशी से, मैंने कहा, 'तुम्हीं खाओ!'।।

पाया मैंने बचपन फिर से बचपन बेटी बन आया।
उसकी मंजुल मूर्ती देखकर मुझमें नवजीवन आया।।

मैं भी उसके साथ खेलती–खाती हूँ, तुतलाती हूँ।
मिलकर उसके साथ स्वयं मैं भी बच्ची बन जाती हूँ।।

जिसे खोजती थी बरसों से अब जाकर उसको पाया।
भाग गया था मुझे छोड़कर वह बचपन फिर से आया।।

सुभद्रा कुमारी चौहान

गतिविधि– 4 (खेले अब पर्ची–पर्ची)

शिक्षक/शिक्षिका लगभग 50 शब्द एक डिब्बे में डाल देगा/देगी, जिस पर शब्द के साथ नंबर भी लिखे होंगे।

प्रत्येक विद्यार्थी एक पर्ची उठाएगा। उसे पहचान कर शब्द की पहचान बताएँगा कि शब्द संज्ञा है, सर्वनाम है, विशेषण है या क्रिया है। शब्द पहचान कर हरितपट्ट पर लिखकर यह भी बताएँगें कि लिखा हुआ शब्द संज्ञा, सर्वनाम,विशेषण एवं क्रिया क्यों है।

गतिविधि– 5 (भर कर सीखें)

कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. लिंग परिवर्तन के कारण सर्वनाम में परिवर्तन.....होता है। (नहीं, होता है)
2. सर्वनाम के ..... भेद होते है। (सात, पाँच, छह)
3. जो सर्वनाम शब्द अपनेपन का बोध कराते हैं, उन्हें.....सर्वनाम कहते हैं। (निजवाचक सर्वनाम, पुरुषवाचक सर्वनाम)
4. जो शब्द सभी नामों के स्थान पर प्रयुक्त हों, उसे .....कहते हैं। (संज्ञा, सर्वनाम)
5. कोई चिल्ला रहा है, वाक्य में रेखांकित शब्द.....सर्वनाम का भेद है। (प्रश्नवाचक, अनिश्चयवाचक)

आकलन– रचनात्मक व योगात्मक आकलन हेतु कक्षा व सत्रीय जाँच के लिए उपयोग किया जा सकता है।

□□□

प्रकरण–7 विशेषण

सीखने के प्रतिफल

1 विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम–चिह्नों एवम् अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसे– काल, क्रिय– विशेषण, शब्द–युग्म आदि का प्रयोग करते हैं।

2 किसी चित्र या दृश्य को देखने के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक या सांकेतिक भाषा में व्यक्त करते हैं।

3 किसी पाठ्य वस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं।

कौशल– लेखन कौशल, वाचन कौशल, सम्प्रेषण कौशल व पठन कौशल।

संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।

विशेषण के चार भेद हैं–

– गुणवाचक विशेषण
– संख्यावाचक विशेषण
– परिमाणवाचक विशेषण
– सार्वनामिक विशेषण

गतिविधि–1 (जाने कौन है कैसा)

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में उपलब्ध साधनों (विभिन्न आकार की पुस्तकें, पेंसिलें, हरित पट्ट, पंखा, डेस्क, मेज, दीवार आदि) के रंग, आकार, अवस्था, दशा, दिशा आदि पर आधारित शब्द पूछें।

जैसे– दीवार का रंग सफेद है ।

फिर समझाते हुए बताएगा/बताएगी कि ये सभी शब्द जो संज्ञा–सर्वनाम की विशेषताएँ बता रहे हैं, विशेषण कहलाते हैं।

गतिविधि–2 (हमारे आस–पास)

शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों को अपने पास से या कक्षा से एक–एक वस्तु चुनने के लिए कहेंगे।

अब उन्हें कहेंगे कि वे उस वस्तु की तीन तीन विशेषताएँ लिखें और उन्हें पूरी कक्षा में बताने के लिए कहेंगे।

शिक्षक/शिक्षिका उन्हें बताएँगे कि ये विशेषताएँ गुणवाचक विशेषण के अंतर्गत आती हैं।

गतिविधि–3 (आइए गिनें– गिनाएँ)

शिक्षक/शिक्षिका कुछ ऐसी वस्तुएँ कक्षा में लेकर जाएगा/जाएगी जिन्हें गिना जा सकता हैं, जैसे–पेन, पेंसिल, चाक, पुस्तकें आदि और ऐसी भी वस्तुएँ लेकर जाएगा/जाएगी, जिन्हें गिना नहीं जा सकता जैसे– पानी, कपड़ा, चीनी, दाल आदि।

अब शिक्षक/शिक्षिका उन्हें गिनी जा सकने वाली वस्तुओं को गिन कर दिखाते हुए बताएगा/बताएगी कि इन वस्तुओं की संख्या–संख्यावाचक विशेषण है।

इसी प्रकार यह भी बताएगा/बताएगी कि तोलने, नापने वाली उपर्युक्त वस्तुएँ परिमाणवाचक विशेषण के अंतर्गत आती हैं।

शिक्षक/शिक्षिका ये वस्तुएँ विद्यार्थियों से भी मँगवा सकते हैं।

गतिविधि–4 (आइएँ ढूंढें)

किसी कविता या कहानी से विद्यार्थियों को विशेषण छाँटने को कहेंगे।

जैसे– 'वह चिड़िया जो' (कक्षा–6, वसंत)

वह चिड़िया जो
चोंच मार कर
दूध–भरे, जुंडी के दाने
रुचि से, रस से खा लेती है
वह छोटी संतोषी चिड़िया
नीले पंखों वाली मैं हूँ
मुझे अन्न से बहुत प्यार है।

वह चिड़िया जो–
कंठ खोलकर
बूढ़े वन–बाबा की ख़ातिर
रस उँडेल कर गा लेती है
वह छोटी मुँहबोली चिड़िया
नीले पंखोंवाली मैं हूँ
मुझे विजन से बहुत प्यार है

वह चिड़िया जो–
चोंच मार कर
चढ़ी नदी का दिल टटोलकर
जल का मोती ले जाती है
वह छोटी गरबीली चिड़िया
नीले पंखोंवाली मैं हूँ
मुझे नदी से बहुत प्यार है।

इस कविता में– संतोषी, छोटी, गरबीली, नीले, बूढ़े, मुँहबोली, पंखोंवाली आदि शब्द गुणवाचक विशेषण हैं।

इस कविता में 'वह चिड़िया' जैसे–सार्वनामिक विशेषण के भी उदाहरण हैं। इसी प्रकार के अन्य उदाहरणों से शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों को सार्वनामिक विशेषण समझाएँगे।

आकलन– रचनात्मक आकलन हेतु कक्षा में उपयोग किया जा सकता है। योगात्मक आकलन हेतु भी सत्रीय जाँच के लिए उपयोग किया जा सकता है।

□□□

प्रकरण–8 क्रिया–विशेषण

सीखने के प्रतिफल

1 विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम–चिह्नों एवम् अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसे– काल, क्रिया–विशेषण, शब्द–युग्म आदि का प्रयोग करते हैं।

2 किसी पाठ्य–वस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं।

3 पढ़ी गयी सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।

कौशल– लेखन कौशल, वाचन कौशल, सम्प्रेषण कौशल व पठन कौशल।

क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्रिया–विशेषण कहलाते हैं।

क्रिया विशेषण के चार भेद हैं–

– रीतिवाचक
– कालवाचक
– स्थानवाचक
– परिमाणवाचक

गतिविधि–1 (प्रश्नों से सीखें)

शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों को कैसे, कब, कहाँ, कितना प्रश्नों को क्रिया के साथ प्रयोग करके बताएगा/बताएगी।

जैसे– मैं धीरे–धीरे काम करती हूँ।.....रीतिवाचक

वह आज आया था।.....कालवाचक

वह सामने खड़ा है।.....स्थानवाचक

लोगों ने काम कम किया।.....परिमाणवाचक

गतिविधि–2 (खाली को भरना)

रीतिवाचक क्रिया–विशेषण–

छप से, टप से, थर्र से, फुर्र से, सन से

1. मेंढक पानी में ..... कूद गया।
2. नल बंद होने के बाद पानी की एक बूँद ..... चू गई।
3. शोर होते ही चिड़िया ..... उड़ी।
4. ठंडी हवा ..... गुजरी, मैं ठंड में ..... काँप गया।

गतिविधि–3 (वर्ग पहेली)

नीचे दी गई वर्ग–पहेली में से क्रिया विशेषण के भेदों के शब्द छाँटिए एवं निर्धारित स्थान पर लिखिए–

ते	ज़	रा	धी	अं	म
आ	ज	न	रे	द	ब
क	अ	प	ख	र	हु
ल	भी	र	रा	क	त
थी	रे	सों	ब	म	य
थो	ड़ा	नी	चे	व	हाँ

रीतिवाचक क्रिया विशेषण–

.....

.....

.....

.....

.....

कालवाचक क्रिया विशेषण–

.....

.....

.....

.....

.....

स्थानवाचक क्रिया विशेषण–

.....

.....

.....

.....

.....

परिमाणवाचक विशेषण–

.....

.....

.....

.....

.....

गतिविधि–4

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में विद्यार्थियों की प्रत्येक पंक्ति को क्रिया विशेषण के एक–एक भेद को पढ़कर आने को कहेगा/कहेगी। अगले दिन प्रत्येक पंक्ति के विद्यार्थी अपने अपने चुने हुए प्रतिनिधियों के माध्यम से क्रिया विशेषण का प्रत्येक भेद पूरी कक्षा को समझाएँगे। शिक्षक/शिक्षिका अवलोकन करेगा/करेगी व आवश्यक बिंदु जोड़ेंगे।

''ध्यान रहे सभी गतिविधियों के दौरान प्रतिभागियों की सराहना अति आवश्यक है।

आकलन– रचनात्मक आकलन हेतु कक्षा में उपयोग किया जा सकता है। योगात्मक आकलन हेतु भी सत्रीय जाँच के लिए उपयोग किया जा सकता है।

□□□

प्रकरण–9 पर्यायवाची शब्द

सीखने के प्रतिफल

1 विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम–चिह्नों एवम् अन्य व्याकरणिक इकाइयों का प्रयोग करते हैं।

2 विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।

कौशल– पठन कौशल, वाचन कौशल, व लेखन कौशल।

गतिविधि –1 (कार्ड खेल)

सामग्री–पर्यायवाची शब्द लिखे हुए कार्ड व पर्ची

क्रियाकलाप के चरण–

चरण–1 शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों को एक कार्ड दिखाएँ जिस पर एक शब्द लिखा हुआ होगा।

चरण–2 शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों को 5 कार्ड और दिखाएँगा/दिखाएगी, जिसमें से 3 कार्ड पर पूर्व शब्द के पर्यायवाची लिखे हुए हैं व 2 कार्ड पर अलग शब्द लिखे हुए है।

चरण–3 शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों को उन पाँचों शब्दों में से पूछे गए शब्द के पर्यायवाची शब्द ढूँढने के लिए कहेगा/कहेगी।

इस तरह सभी विद्यार्थियों के द्वारा इस गतिविधि में भाग लिया जाएगा।

गतिविधि –2 (अपनी पर्ची की पहचान)

1 सभी विद्यार्थियों को एक–एक पर्ची (जिसमें शब्द व कुछ में उनके पर्यायवाची लिखे होंगे) बाँट दी जाएगी। सभी से कहा जाएगा कि सभी अपनी पर्ची पर लिखे शब्द को पढ़ें और जो शब्द एक दूसरे के समानार्थी हैं उसके अनुसार कक्षा में समूह निर्माण किया जाए।

इस प्रकार शब्दों व उनके समानार्थी शब्दों को इकट्ठा करके कुछ समूहों का निर्माण हो जाएगा।

2 सभी समूहों से विद्यार्थी हरितपट्ट पर अपनी पर्ची में लिखे शब्दों को लिखेंगे।

जैसे–

अग्नि – पावक, ज्वाला, आग, अनल।

फूल – पुष्प, सुमन, कुसुम, प्रसून।

हरितपट्ट पर लिखे शब्दों को विद्यार्थी उच्चारित करेंगे।

गतिविधि – 3

क्रियाकलाप के चरण निम्नलिखित हैं–

चरण–1 शिक्षक/शिक्षिका कक्षा को तीन–तीन विद्यार्थियों के समूह में विभाजित करेगा/करेगी।

चरण–2 शिक्षक/शिक्षिका कोई एक शब्द लेगा बोलेगा/बोलेगी।

चरण–3 शब्द सुनने के बाद विद्यार्थियों को आपस में चर्चा करके उसके पर्यायवाची शब्द बोलने होंगे।

चरण–4 गतिविधि की कक्षा के सभी समूहों के साथ पुनरावर्ती की जाएगी।

'शिक्षक पर्यायवाची शब्द को परिभाषित करे ।

आकलन– रचनात्मक आकलन में उपयोग किया जा सकता है। योगात्मक आकलन में भी उपयोग किया जा सकता है।

□□□

प्रकरण–10 वाक्यांश के लिए एक शब्द

सीखने के प्रतिफल

1 विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं।

2 विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों,वाक्य संरचनाओं, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम–चिह्नों एवम् अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसे– काल,क्रिया विशेषण, शब्द–युग्म आदि का यथोचित प्रयोग करते हैं।

कौशल– पठन कौशल, श्रवण कौशल, सम्प्रेषण कौशल व लेखन कौशल।

भाषा को सुंदर, प्रभावशाली और आकर्षक बनाने के लिए हर भाषा में ऐसे शब्द होते हैं, जो किसी एक वाक्य के स्थान पर प्रयोग किए जा सकते हैं। अतः जब अनेक शब्दों के स्थान पर केवल एक शब्द का प्रयोग भी किया जाता है, तो उसे 'वाक्यांश के लिए एक शब्द' कहा जाता है।

गतिविधि –1 (अधिक को कम करें)

शिक्षक/शिक्षिका पाँच या छह बच्चों का समूह बनाएँगे।

एक समूह अनेक शब्दों में अपना परिचय देगा, दूसरा समूह उसे एक नाम देगा। जैसे –

समूह –1. मैं मिट्टी के बर्तन बनाता हूँ
समूह –2. कुम्हार
समूह –1. मेरा मूल्य नहीं आँका जा सकता
समूह –2. अमूल्य
समूह –1. जिसका पता न हो
समूह –2. अज्ञात
समूह –1. मैं जानने की इच्छा रखता हूँ
समूह –2. जिज्ञासु
समूह –1. मेरा कोई शत्रु नहीं हैं
समूह –2. अजात शत्रु
समूह –1. मेरा कोई आकार नहीं है
समूह –2. निराकार
समूह –1. मैं दूर की सोचता हूँ
समूह –2. दूरदर्शी
समूह –1. मैं सबको एक समान देखता हूँ
समूह –2. समदर्शी

गतिविधि –2 (आइए करे और सीखें)

निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द चुनकर लिखिए–

(दर्शनीय, यथाक्रम, मितभाषी, ऐतिहासिक, बातूनी, अतिथि, असंभव),

1) बहुत बातें करने वाला–

2) कम बातें करने वाला–

3) दर्शन करने योग्य–

4) जिसके आने की तिथि निश्चित न हो–

5) जो संभव न हो–

6) इतिहास से संबंधित–

7) क्रम के अनुसार–

गतिविधि– 3 (आओं स्वयं को जाँचे)

1) जादू करने वाला–
2) रिक्शा चलाने वाला–
3) जो ऊपर कहा गया हो–
4) जो कम खाता हो–
5) वर्ष में एक बार होने वाला–
6) सप्ताह में एक बार होने वाला–
7) लकड़ी काटने वाला–
8) मिठाई बनाने वाला–

आकलन– रचनात्मक व योगात्मक आकलन हेतु उपयोग किया जा सकता है।

□□□

प्रकरण–11 वर्तनी

सीखने के प्रतिफल

1 विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम–चिह्नों एवम् अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसे– काल, क्रिया–विशेषण, शब्द–युग्म आदि का प्रयोग करते हैं।

2 विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।

3 किसी पाठ्य–वस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं।

कौशल– लेखन कौशल, सम्प्रेषण कौशल व पठन कौशल।

गतिविधि –1 (पहचाने और सुधारें)

नीचे दिए गए बॉक्स में कुछ शब्द शुद्ध हैं व कुछ शब्द अशुद्ध हैं। सर्वप्रथम शब्द समूह से शुद्ध शब्द छाटँकर लिखें तत्पश्चात अशुद्ध शब्दों को छाँटकर उनका शुद्ध रूप दूसरे बॉक्स में लिखिए–

शब्द समूह	**शुद्ध शब्द**
अधीन, मलकिन, बिमार, वापिस, चारपाई, सेनिक, बदाम, लोकिक, दोपहर, पौष्टिक, स्वास्थ्य, अतिथि, बतक, आहार, रक्तदान, प्रसिद्ध	

अशुद्ध शब्दों को छाँटकर उसका शुद्ध रूप नीचे दिए गए बॉक्स में लिखिए–

गतिविधि – 2 (मैं कहाँ गलत हूँ मुझे शुद्ध करें)

नीचे दी गई कहानी को ध्यान से पढ़ें। कहानी में आए कुछ शब्दों में वर्तनी की अशुद्धियाँ है–

एक किसान था। इस बार वह फसल कम होने की वजह से चिंतित था। घर में राशन ग्यारह महिने चल सके उतना ही था। बाकी एक महिने के राशन का कहाँ से इंतजाम होगा। यह चिंता उसे बार–बार सता रही थी। किसान की पुत्रवधु का ध्यान जब इस ओर गया तो उसने पूछा? पीताजी आजकल आप किसी बात को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं। तब किसान ने अपनी चिंता का कारण बहु को बताया। किसान की बात सुनकर पुत्रवधु ने उन्हें आस्वासन दिया कि वह किसी बात की

चिंता न करें। उस एक महिने के लिए भी अनाज का इंतजाम हो जाएगा। जब पूरा वर्स उनका अराम से निकल गया तब किसान ने पूछा कि आखरी ऐसा कैसे हुआ?

पुत्रवधु ने कहा–पीताजी जब से आपने मुझे राशन के बारे में बताया तभी से मैं जब भी रसोई के लिए अनाज निकालती उसी में से एक–दो मुठठी हर रोज वापिस कोठी में डाल देती। बस उसी की वजह से बाहरवें महिने का इंतजाम हो गया।

निर्देश–उपर्युक्त कहानी में से अशुद्ध शब्दों का चुनाव करके शुद्ध रूप नीचे दिए गए बॉक्स में लिखे (कहानी में लगभग 10 अशुद्ध शब्दों का प्रयोग किया गया है)

गतिविधि –3 (ढूंढें और लिखें)

बॉक्स में दिए गए उचित व् शुद्ध शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

उज्जवल, उज्ज्वल, आशीर्वाद, आर्शीवाद, जाऊँगा, जाउंगा, उत्तीर्ण, उतीर्ण, आत्मनिर्भर, आतमनिर्भर

- मैं ..... बनना चाहता हूँ।
- हमें बड़ों का ..... लेना चाहिए।
- मैं कल दिल्ली ..... ।
- आपका भविष्य ..... है।
- सभी विद्यार्थी ..... हो गए।

आकलन– रचनात्मक आकलन में उपयोग किया जा सकता है।

प्रकरण–12 संधि

सीखने के प्रतिफल

1 विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों,वाक्य संरचनाओं, विशेषकर संधि एवम् अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसे– काल, क्रिया–विशेषण, शब्द–युग्म आदि का बेहतर प्रयोग करते हैं।

कौशल– लेखन कौशल, पठन कौशल।

गतिविधि–1(ध्वनियों व वर्णो का मेल–जोल)

आओ बच्चों खेले खेल,
दो ध्वनियों का आपसी मेल।
अ–आ, आ–अ, आ–आ
सभी आ बन जाते हैं।

क. आइए अब हम इसका, अभ्यास करते हैं।

1. सत्य + आग्रह =
2. महा + आत्मा =
3. मंडल + आकार =
4. नव + आगंतुक =
5. विस्मय + अभिभूत =
6. अन + अधिकार =
7. मेघ + आच्छन्न =

ख. अब निम्न शब्दों को अलग कीजिए– (विच्छेद)

1. विद्यालय =
2. निम्नांकित =
3. शिवालय =
4. पुस्तकालय =
5. हिमालय =

आकलन – योगात्मक आकलन हेतु इसका उपयोग किया जा सकता है। शिक्षक/शिक्षिका संधि को परिभाषित करे।

□□□

प्रकरण–13 समास

सीखने के प्रतिफल

1 विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों,वाक्य संरचनाओं, समास एवम् अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसे– काल, क्रिया–विशेषण, शब्द–युग्म आदि का प्रयोग करते हैं।

2 अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।

3 विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।

कौशल– वाचन कौशल, सम्प्रेषण कौशल व पठन कौशल।

शिक्षक/शिक्षिका समास को पढ़ाने के बाद निम्न गतिविधि करवाएँगे।

गतिविधि–1 (आओ नाटक करें)

शिक्षक/शिक्षिका 7–7 विद्यार्थियों का समूह बनाएगा/बनाएगी। एक विद्यार्थी समास बनेगा, शेष छह विद्यार्थी उसके भेद बनेंगे।

उदाहरण– पहला विद्यार्थी अपना परिचय निम्न तरीक़े से देगा–

मैं समास हूँ, मैं दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से नया शब्द बनाता हूँ–

देश की भक्ति = देशभक्ति

रसोई के लिए घर = रसोईघर

दूसरा विद्यार्थी

मै कारक से जुड़ा समास हूँ। मेरा नाम तत्पुरुष है। मेरा दूसरा पद प्रधान होता है और पहला पद गौण–

पाप से मुक्त = पापमुक्त

हाथ के लिए कड़ी = हथकड़ी

तीसरा विद्यार्थी

मैं बहुब्रीहि समास हूँ। मेरे दोनों पद गौण होते है तथा दोनों मिलकर किसी तीसरे पद के विषय में संकेत करते हैं जैसे–

तीन लोचन वाले अर्थात् महादेव – त्रिलोचन

दश आनन है जिसके अर्थात् रावण – दशानन

उपर्युक्त तरीक़े से सातों बच्चे अपना परिचय उदाहरण सहित देंगे।

गतिविधि– 2 (शब्दों का गोलमाल)

क. निम्नलिखित विग्रहों का समस्त पद बनाइए–

1. महान है जो आत्मा =
2. बाढ़ से पीड़ित =
3. घोड़े की सवारी =
4. नीला है जो गगन =
5. नीला है जो कंठ =
6. चार राहों का समूह =

ख. निम्नलिखित पदों (समस्त पदों) का विग्रह कीजिए–

1. रात– दिन =
2. जीव– जंतु =
3. पेड़– पौधे =
4. राजा– रानी=
5. तिरंगा=
6. नवरात्र=
7. पंजाब=

आकलन– योगात्मक आकलन हेतु सत्रीय जाँच के लिए उपयोग किया जा सकता है।

शिक्षक/शिक्षिका समास को परिभाषित करे।

□□□

प्रकरण–14 उपसर्ग व प्रत्यय

सीखने के प्रतिफल

1 विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओं, उपसर्ग एवं प्रत्यय एवम् अन्य व्याकरणिक इकाइयों का बेहतर प्रयोग करते हैं।

2 विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।

कौशल– वाचन कौशल, लेखन कौशल, सम्प्रेषण कौशल व पठन कौशल।

गतिविधि – 1 (शब्दांशो का खेल)

मुझे अपना लो आगे–पीछे रूप/अर्थ बदलो झट से (शब्द निर्माण)

शिक्षक/शिक्षिका मौखिक भी करवा सकते है एवं लिखित भी.....

अभ्यास–

मोटे छपे शब्दांशो को आगे जोड़ो और नए शब्द बनाओ–**(उपसर्ग)**

- **अ** –ज्ञान, धर्म, शुभ, सफल, शांति, तिथि
- **उप** –हास, सर्ग, चार, योग देश, वन
- **प्र**– बल, दीप, योग, सार ,माण, दीप, बल
- **सु**– जन, मार्ग, मन, कुमार, पात्र, दूर
- **अनु**– सार, मान, शासन, राग, रूप

शब्दों के पीछे मोटे छपे शब्दांश जोड़ो और शब्द बनाओ– **(प्रत्यय)**

- **मंद**– अक्ल, भरोसे, फायदे, दौलत
- **हीन**–बुद्धि, गुण, वस्त्र, बल, ,गंध , स्वाद
- **पन**– बच, अपना, सूना, लड़क, भोला, छुट
- **कार**– शिल्प, संगीत, चित्र, साहित्य, कला,
- **ता**– सफल, कुशल, पवित्र, कोमल, कठोर, मानव

अभ्यास –

नीचे दिए गए शब्दों में से उपसर्ग एवं प्रत्यय तथा मूल शब्द अलग–अलग करके लिखिए–

शब्द	उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
अस्थिर	अ	स्थिर	.....
दयालु	.....	दया	आलु
बहलानेवाला			
पुलकित			
प्रतिदिन			
बीकानेरी			
गंभीरता			
सांसारिक			
दुकानदार			
आवश्यकता			
परिवार			
विज्ञान			

आकलन– रचनात्मक आकलन हेतु उपयोग किया जा सकता है। योगात्मक आकलन हेतु भी इसका उपयोग किया जा सकता है।

□□□

प्रकरण–15 वाक्य–संरचना

सीखने के प्रतिफल

1 विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम–चिह्नों एवम् अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसे–काल, क्रिया–विशेषण, शब्द–युग्म आदि का प्रयोग करते हैं।

2 विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।

3 भाषा की बारीकियों/व्यवस्था तथा नए शब्दों का प्रयोग करते हैं, जैसे– किसी कविता में प्रयुक्त शब्द विशेष, पदबंध का प्रयोग– आप बढ़ते हैं तो बढ़ते ही चले जाते हैं या जल–रेल जैसे प्रयोग।

कौशल– पठन कौशल, वाचन कौशल व लेखन कौशल।

हर भाषा का अपना एक अनुशासन होता है जिसे हम व्याकरण कहते हैं। व्याकरण के नियमानुसार सार्थक वाक्य बनाने के लिए हर शब्द की एक स्थिति तय की गई है। गद्य लेखन में इन नियमों का पूर्णतः पालन होता है, परंतु कविता में कवि लोग शब्दों के प्रयोग के मामले में थोड़ी–सी छूट ले लेते हैं। इस छूट से ही वे कविता में लय का सृजन करते हैं। उदाहरण के रूप में नीचे की पंक्ति को देखिए थोड़ी सी–

गतिविधि–1 (फेरबदल)

पद्य	गद्य में इसे कुछ इस प्रकार बदला गया
आकाश का साफा बाँधकर सूरज की चिलम खींचता बैठा है पहाड़	पहाड़ आकाश का साफा बाँधकर सूरज की चिलम खींचता हुआ बैठा है।
एक तिनका आँख में मेरी पड़ा मूँठ देने लोग कपड़े की लगे।	मेरी आँख में एक तिनका पड़ा लोग कपड़े की मूँठ देने लगे।
एक दिन जब था मुंडेरे पर खड़ा आ अचानक दूर से उड़ता हुआ एक तिनका आँख में मेरी पड़ा।	....
हम पंछी उन्मुक्त गगन के पिंजरबद्ध न गा पाएँगे	....
नीड़ न दो चाहे, टहनी का आश्रय छिन्न–भिन्न कर डालो लेकिन पंख दिए हैं तो आकुल उड़ान में विघ्न न डालो।	....
कठपुतली गुस्से से उबली बोली ये धागे क्यों हैं मेरे आगे–पीछे?	....

खाली स्थान में विद्यार्थी स्वयं कविता की पंक्तियों को गद्य में परिवर्तित करें।

गतिविधि–2 (शब्दों का हेर–फेर)

कविता में शब्दों की स्थिति–

बस सपनों में देख रहे हैं
तरु की फुनगी पर के झूले

बस स्वप्नों में देख रहे हैं
पेड़ की फुनगी पर के झूले

कविता की पंक्तियों में बदले हुए शब्दों से कविता के रूप व स्थिति में परिवर्तन को विद्यार्थी समझें एवं कुछ पंक्तियों को लेकर उनमें इसी प्रकार शब्द परिवर्तित करके उनके रूप और स्थिति को जानिए।

आकलन– रचनात्मक आकलन हेतु इसका उपयोग कर सकते हैं।

❑❑❑

प्रकरण–16 विराम–चिह्न

सीखने के प्रतिफल

1 विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओं, विराम–चिह्नों एवम् अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसे– काल, क्रिया–विशेषण, शब्द–युग्म आदि का प्रयोग करते हैं।

2 किसी पाठ्य–वस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं।

कौशल– वाचन कौशल, लेखन कौशल, सम्प्रेषण कौशल व पठन कौशल।

लिखने में रुकावट या विराम के स्थानों को जिन चिह्नों द्वारा प्रकट किया जाता है, उन्हें विराम–चिह्न कहते हैं। इनके प्रयोग से वक्ता के अभिप्राय में अधिक स्पष्टता का बोध होता है। इनके अनुचित प्रयोग से अर्थ का अनर्थ भी हो जाता है।

नाम	चिह्न
पूर्ण विराम चिह्न	(।)
अर्ध विराम चिह्न	(;)
अल्प विराम चिह्न	(,)
प्रश्न वाचक चिह्न	(?)
विस्मय सूचक चिह्न	(!)
उद्धरण चिह्न	(‘‘ ’’)
निर्देशक या रेखिका चिह्न	(–)
विवरण चिह्न	(:–)
अपूर्ण विराम चिह्न	(:)
योजक विराम–चिह्न	(–)
त्रुटि पूरक चिह्न या हंसपद	(▲)
लाघव चिह्न या संक्षेप सूचक	(•)

गतिविधि–1 (रुको मगर सोचकर)

विराम चिह्न न लगाने पर अर्थ का अनर्थ–

"मेरे प्यारी सखी मेरा नमस्कार तुमने अभी तक चिट्ठी नहीं लिखी मेरी बहन को। नौकरी मिल गयी है हमारी गाय को। बछड़ा हुआ है पड़ोसी को। बुरी लत लग गई है मैंने तुम्हें बहुत खत लिखे पर तुम नहीं आईं बिल्ली के बच्चे। भेड़िया खा गया है। दो महीने का राशन। छुट्टी पर आते समय ले आना एक खूबसूरत औरत। मेरी सहेली बन गई है और इस समय टीवी पर गाना गा रही है हमारी बकरी। बेच दी गयी है तुम्हारी माँ। तुम्हें बहुत याद कर रही हैं एक पडोसन। हमें बहुत तंग करती है तुम्हारी रमा ।"

उपर्युक्त गद्यांश को विद्यार्थी पढ़ेंगे तथा सही स्थान पर चिह्न लगाएँगे।

गतिविधि –2 (समझे और जाने)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर बिंदुओं के स्थान पर विराम चिह्न लगाइए–

झाऊलाल इस मीठी मार से तिलमिला उठे ...उन्होंने रौब से कहा... अजी हटो... ढाई सौ रूपये के लिए भाई से भीख माँगोगी... मुझसे ले लेना... लेकिन मुझे इस जिंदगी में ही चाहिए... अजी... इस सप्ताह में ले लेना... सप्ताह से आपका तात्पर्य सात दिन से है या सात वर्ष से... लाला झाऊलाल ने रोब के साथ खड़े होते हुए कहा... आज से सातवें दिन मुझसे ढाई सौ रूपये ले लेना...

अभ्यास –

- निम्नलिखित के संकेत चिह्न बनाइए –
- विस्मय–सूचक–
- प्रश्नवाचक –
- अल्पविराम –
- अर्धविराम –
- उद्धरण चिह्न –
- अल्पविराम –
- विवरण चिह्न –
- कोष्ठक –

अभ्यास –

निम्न के लिए आप कौन–सा चिह्न चुनेगें –

वाक्य	चिह्न का नाम	चिह्न
प्रश्न पूछने के लिए		
वाक्य की समाप्ति पर		
दो शब्दों को जोड़ने के लिए		
आश्चर्य प्रकट करने के लिए		
थोड़ा रुकने के लिए		
कही गई बात को ज्यों का त्यों बताने के लिए		

आकलन– रचनात्मक आकलन हेतु उपयोग किया जा सकता है।

प्रकरण–17 मुहावरे

सीखने के प्रतिफल

1 विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।

2 विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम–चिह्नों एवम् अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसे– काल, क्रिया–विशेषण, शब्द–युग्म आदि का यथोचित प्रयोग करते हैं।

कौशल– पठन कौशल, श्रवण कौशल व लेखन कौशल।

गतिविधि–1 (चुप–चाप हम करें बात) (ड्रमश्रयाड / मूक अभिनय)

शिक्षक / शिक्षिका कक्षा में कुछ मुहावरे विद्याथियों को पढ़ने के लिए देंगे। विद्यार्थी उसका अर्थ समझेंगे।

– इस प्रक्रिया में शिक्षक / शिक्षिका विद्याथियों की मदद करेंगे।

– विद्यार्थियों को समूहों में बाँटा जाएगा।

– एक विद्यार्थी दूसरे विद्यार्थी के कान में मुहावरा बताएगा, दूसरा विद्यार्थी उस मुहावरे को अभिनय द्वारा विद्याथियों को समझाने का प्रयास करेगा।

एक समूह के विद्यार्थी अर्थ बताएँगे एवं दूसरा समूह वाक्य बनाएगा।

गतिविधि –2 (खाली को भरना)

दिए गए मुहावरों को निम्न रिक्त स्थानों में भरिए–

दाल में कुछ काला होना, सेंध लगाना, घोड़े बेच कर सोना, नौ दो ग्यारह होना, घात लगाना, आँख लगना, करवटें बदलना,

रात को छत पर रमा अकेले ..... रही थी सारा संसार.....रहा था। बड़ी मुश्किल से रमा की ..... तभी चोरों ने घर में.....शुरू कर दिया। वो पहले से ही.....बैठे थे। रमा के पिताजी को खट खट की आवाज सुनाई दी। वे समझ गए कि..... है। बत्ती जलाते ही चोर ....गए।

गतिविधि –3 (चलो गढ़े कहानी)

संक्षिप्त कहानी / अनुच्छेद लेखन

शिक्षक / शिक्षिका कुछ मुहावरों का प्रयोग करते हुए छोटी–सी कहानी विद्याथियों को सुनाएगा / सुनाएगी तथा कहानी बनानें के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

निम्न मुहावरों द्वारा विद्यार्थी कहानी / अनुच्छेद लिखेंगे।

(1) पैरों पर नाक रगड़ना (2) दाँतों तले उँगली दबाना (3) धावा बोलना (4) बाट जोहना (5) होश उड़ना (6) टका–सा जवाब देना (7) घोड़े बेचकर सोना (8) साँस रोककर देखना (9) भानुमती का पिटारा (10) दस्तक देना (11) दूधो नहाओ पूतों फलो

आकलन– रचनात्मक आकलन हेतु व कक्षा–सत्रीय जाँच के लिए उपयोग किया जा सकता है।

प्रकरण–18 खेल–शब्दावली

सीखने के प्रतिफल

1 विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।

2 अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।

कौशल– पठन कौशल, वाचन कौशल, सम्प्रेषण कौशल व लेखन कौशल।

गतिविधि–1 (खेल – खेल में)

हर खेल को खेलने से संबंधित कुछ शब्द होते हैं। जैसे–

क्रिकेट के लिए–स्लिप, बैट, बॉल, कट, गली, बाउंड्री, कैच, आउट आदि।

नीचे कुछ खेलों की सूची दी गई है। जिस भी खेल में आपकी रुचि हो उसके लिए कम से कम पाँच शब्द लिखें एवं उसे हरितपट्ट पर सूची के रूप में प्रदर्शित कर सहपाठियों के साथ शब्दों के अर्थ का विस्तार से विश्लेषण करें।

उदाहरण– फुटबॉल, गुल्ली–डंडा, कबड्डी, वोली–बॉल, छुपन–छुपाई, लॉन–टेनिस, बैडमिंटन, कुश्ती, हॉकी, टेबल–टेनिस, स्टापु।

गतिविधि–2 (शब्द खेल)

विद्यार्थियों को एक दिन पूर्व सूचित किया जाएगा कि सभी विद्यार्थी अगली कक्षा में अपने–अपने नाम का अर्थ अभिभावकों/शब्दकोश आदि के सहयोग से ज्ञात करेंगे। यदि नाम के साथ जुड़ी कोई प्राचीन/मिथकीय कहानी हो तो उसके बारे में भी पता करेंगे। अपने–अपने नाम का कम से कम एक पर्यायवाची शब्द भी पता करेंगे। कक्षा में प्रत्येक विद्यार्थी उपर्युक्त बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए अपने–अपने नाम के बारे में बताएँगे। अंत में अपना नाम, उसका अर्थ एवं पर्यायवाची हरिटपट्ट पर अंकित करेंगे तथा अन्य विद्यार्थी अपनी–अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।

कुछ शब्द ऐसे होते हैं जिनका अर्थ वाक्यों में प्रयोग के अनुसार बदल जाता है। उदाहरण के लिए एक शब्द है–कर

अब नीचे दिए गए वाक्यों को देखें–

(क) सरकार आय का एक हिस्सा कर के रूप में लेती है।

(ख) मैं मुश्किल काम नहीं कर सकता।

(ग) मेरे कर में कमल का फूल है।

यहाँ अलग–अलग वाक्यों में कर शब्द का प्रयोग टैक्स, करने और हाथ के अर्थ में हुआ है। आप भी ऐसे ही पाँच शब्दों का चयन करें एवं अलग–अलग अर्थों में वाक्यों में प्रयोग करें।

आकलन– रचनात्मक आकलन हेतु उपयोग किया जा सकता है।

प्रकरण–19 शब्द–खेल

सीखने के प्रतिफल

1 विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम–चिह्नों एवम् अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसे– काल, क्रिया–विशेषण, शब्द–युग्म आदि का प्रयोग करते हैं।

2 विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।

3 भाषा की बारीकियों/व्यवस्था तथा नए शब्दों का प्रयोग करते हैं, जैसे– किसी कविता में प्रयुक्त शब्द विशेष, पदबंध का प्रयोग– आप बढ़ते हैं तो बढ़ते ही चले जाते हैं या जल–रेल जैसे प्रयोग।

कौशल– लेखन कौशल,वाचन कौशल सम्प्रेषण कौशल व पठन कौशल।

पुनरुक्त शब्द–ऐसे–ऐसे

समानता सूचक शब्द– सा, से, सी

सहचर शब्द– ऊपर–नीचे

गतिविधि –1 (शब्दों के जोड़े)

शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों को कुछ पुनरुक्त शब्दों से वाक्य बनाने को कहेंगे।

जैसे–

धीरे–धीरे, ऐसे–ऐसे, चलते–चलते, खाते–खाते, सुनते–सुनते, कैसे–कैसे, नन्हीं–नन्हीं, घर–घर आदि।

अब विद्यार्थियों से उनके बनाए वाक्यों को कक्षा में सुनाने को कहेंगे।

इसी प्रकार शिक्षक/शिक्षिका कुछ सहचर शब्दों के भी वाक्य बनवाएँगे।

जैसे–

ऊपर–नीचे, आमने–सामने, खट्टा–मीठा, हँसते–रोते, सोते–जागते, दाएँ–बाएँ आदि।

अब विद्यार्थियों से उनके बनाए सहचर शब्दों के वाक्यों को भी कक्षा में सुनाने को कहेंगे।

अब विद्यार्थियों से ही पुनरुक्त शब्दों के वाक्यों व सहचर शब्दों के वाक्यों में अंतर पूछेंगे। सभी विद्यार्थी अपनी–अपनी समझ से भागीदारी करेंगे एवं स्वयं सीखने का प्रयास करेंगे।

शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों को बताएँगे कि अकसर पुनरुक्त शब्द विशेषण व क्रिया विशेषण का कार्य भी करते हैं।

जैसे–

'नन्हीं–नन्हीं बूँदन मेहा बरसे'

(भोर और बरखा–मीराबाई)

अन्य उदाहरण–

मीठी–मीठी बातें

जल्दी–जल्दी कदम बढ़ाइए

धीरे–धीरे चलो

हल्की–हल्की बारिश

धीमी–धीमी बौछार

ठंडी–ठंडी बयार

गतिविधि– 2 (खोजे और जानें)

शिक्षक / शिक्षिका विद्यार्थियों से उनकी पाठ्य पुस्तक से ऐसे शब्दों को ढूँढने के लिए कहेंगे, ताकि वे उन्हीं वाक्यों और संदर्भों से इन शब्दों का अर्थ समझ सकें।

गतिविधि–3 (जाने कौन कैसा है)

समानता सूचक शब्द

शिक्षक / शिक्षिका कुछ वाक्य हरितपट्ट पर लिखेंगे–

– उसका चेहरा फूल–सा सुंदर है।
– चाहता हूँ सागर–सा गहरा होना।
– नन्हा–सा एक दीप जलाया मैंने।
– वहाँ हाथी–सा टीला है।
– मेरी माँ परियों–सी सुंदर है।
– बर्फ से ढकी पहाड़ी दूध–सी सफेद है।

शिक्षक / शिक्षिका विद्यार्थियों से इन वाक्यों को पढ़ने को कहें एवं सा, से, सी की सार्थकता पूछेंगे।

अब शिक्षक / शिक्षिका विद्यार्थियों को तीन–तीन के समूह में बाटेंगे एवं प्रत्येक समूह से ऐसे पाँच–पाँच वाक्य बनाने के लिए कहेंगे।

एक समूह के वाक्य की जाँच बाक़ी के समूह भी कर सकते हैं।

आकलन– रचनात्मक आकलन हेतु उपयोग किया जा सकता है।

□□□

प्रकरण–20 शब्दकोश निर्माण

चरण–1 प्रत्येक विद्यार्थी हर पाठ से से दो–दो अपरिचित शब्द छाँटें और पाठ के संदर्भ में उनका अर्थ भी पता करें।

जैसे 15x2 =30 शब्द

चरण–2 वर्णमाला को सामने रख वर्णमाला के अनुसार इन शब्दों को सही क्रम में लिखें।

चरण 3 चार–चार के समूह में विद्यार्थी पुनः वर्णमाला के अनुसार इन शब्दों को सही क्रम में लिखें। तत्पश्चात सिल कर इन्हें शब्दकोश का रूप दें।

□□□

सारांश

सुनना	10%
बोलना	20%
लिखना	10%
पढ़ना	20%
देखना	15%
कर के सीखना	25%

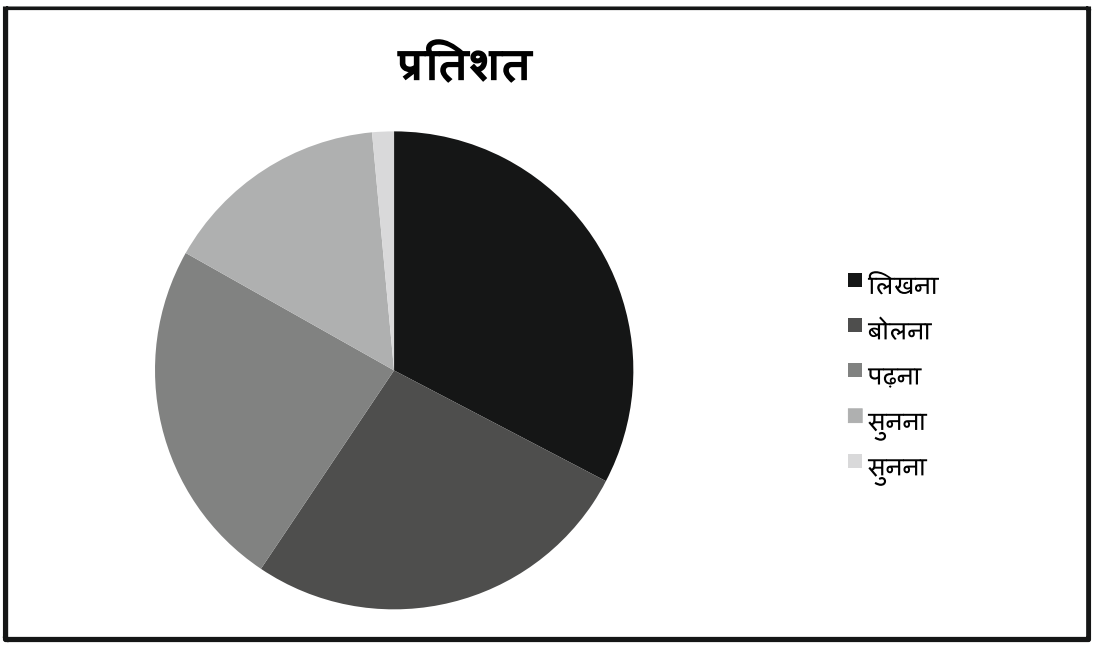

□□□

(1) प्रकरण – वचन

गतिविधि–3

1) उँगलिया 2) बूँद 3) शीशियाँ 4) कुर्सियाँ

(2) प्रकरण – सर्वनाम

गतिविधि–5

1) होता है 2) छह 3) निजवाचक 4) सर्वनाम 5) अनिश्चयवाचक

(3) प्रकरण क्रिया – विशेषण

गतिविधि–2

1) छप से 2) टप से 3) फुर्र 4) (i) सन से (ii) थर्र से

(4) प्रकरण – वाक्यांश के लिए एक शब्द

गतिविधि–2

1) बातूनी 2) मितभाषी 3) दर्शनीय 4) अतिथि 5) असंभव 6) ऐतिहासिक 7) यथाक्रम

गतिविधि–3

1) जादूगर 2) रिक्शावाला 3) उपर्युक्त 4) अल्पाहारी 5) वार्षिक 6) साप्ताहिक 7) लक्कड़हारा 8) हलवाई

(5) प्रकरण – संधि

क. 1) सत्याग्रह 2) महात्मा 3) मंडलाकार 4) नवागंतुक 5) विस्मयाभिभूत 6) अनाधिकार 7) मेघाच्छन्न

ख. 1) विद्या+आलय 2) निम्न+अंकित 3) शिव+आलय 4) पुस्तक+आलय 5) हिम+आलय

6) प्रकरण – समास

गतिविधि–2

क. समस्त पद

1) महात्मा 2) बाढ़पीड़ित 3) घुड़सवारी 4) नीलगगन 5) नीलकंठ 6) चौराहा

ख. समस्त पदों का विग्रह

1) रात और दिन 2) जीव और जंतु 3) पेड़ और पौधे 4) राजा और रानी 5) तीन रंग है जिसमें अर्थात भारत का राष्ट्रीय ध्वज 6) नौ रातों का समाहार 7) पाँच आबों का समाहार

(7) प्रकरण – मुहावरे

गतिविधि–2

1) करवटें बदल 2) घोड़े बेच कर सो 3) आंख लगी 4) घात लगाना 5) सेंध लगाए 6) दाल में कुछ काला 7) नौ दो ग्यारह हो